Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati
Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi
(Two years – Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option
Programme : M.A. Hindi, (Sem-3)

Part A

POs :

1) छात्रों को सृजनशील बनाना।
2) छात्रों को साहित्य के माध्यम से हिंदी का समय ज्ञान प्राप्त करवाना।
3) छात्रों को हिंदी भाषा के मानक एवं शुद्ध लेखन कार्य में निपुण बनाना।
4) छात्रों को हिंदी भाषा की औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा ग्रहण कर आत्मनिर्भर बनाना।
5) छात्रों को हिंदी में रोजगार के अवसरों से अवगत करवाना।
6) छात्रों को अनुसंधान के लिए प्रेरित करना।

PSO :

1. छात्रों का प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्यकारों के साहित्य से परिचय कराना।
2. लोकजागरण एवं लोकमंगल का काव्य।
3. छात्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक अभिव्यंजना की वृद्धि।
4. रचनात्मक लेखन करवाना।
   (छात्रों से स्वयं की काव्याभिव्यक्ति करवाना) (विषय अध्यापक स्वयं देंगे)

साहित्य किसी संस्कृति के ज्ञान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साहित्य के अध्ययन से तत्कालीन मानव जीवन के रहनसहन व अन्य गतिविधियों को आसानी से जाना जा सकता है तथा साहित्य के माध्यम से ही हम अपने मूल्यों की विरासत को सीख सकते हैं। इस संदर्भ में हिंदी साहित्य का भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान है। हिंदी साहित्य के मुख्यत: तीन काल – आदिकाल, मध्यकाल और आधुनिक काल पर दृष्टिपात करने से हिंदी साहित्य की गरिमा दृष्टिगत होती है, जो राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के उद्धरण से सार्थक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा है, "परिवर्तन यदि उन्नति है तो निश्चित ही हमें आगे बढ़ते जाना है, किंतु मुझे तो पूर्व के मीठे-सच्चे भाव ही भाते हैं ।" अर्थात काल के अनुसार साहित्य में परिवर्तन हो रहा है किंतु उसमें निहित मूल्यों को चिरस्थायी रखते हुए हमें उन्नति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए, यही हिंदी साहित्य के अध्ययन का लक्ष्य रहा है।

हिंदी साहित्य के अध्ययन से छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होकर वह समाज एवं राष्ट्र का सुदृढ़ नागरिक बन सकता है साथ ही छात्र पाठ्यक्रम के माध्यम से अपने जीवनयापन के लिए स्वर्णिम अवसर प्राप्त कर सकते हैं जो निम्नांकित है-

1) छात्र रचनात्मक लेखन में निपुण होकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
2) छात्र नेट, सेट तथा एम. फिल परीक्षा के लिए पात्र हो सकते हैं।
3) छात्र दुभाषिए के पद पर कार्य कर सकते हैं।
4) इस अभ्यासक्रम के माध्यम से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।
5) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी विज्ञापन लेखन में निष्णांत हो सकते हैं।
6) छात्र अनुवाद के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।
7) छात्र हिंदी प्रूफ-रीडर के पद पर कार्य करने में सक्षम हो सकते हैं।
8) इस पाठ्यक्रम से छात्र देश तथा विदेशों में हिंदी अध्यापन का कार्य कर सकते हैं।
9) छात्र नवीनतम अनुसंधान के लिए प्रेरित होकर कार्य कर सकते हैं।

Part B

Programme : M.A. 2, Hindi Semester-III

Sr. No.	Subject	Code Of the Course/ Subject	Title Of the Course/Subject	Total Numbers Of periods	Numbers Of Creadits
1	DSC-1	3205	हिंदी भाषा और साहित्य संशोधन	60	4
2	DSC-2	3206	राष्ट्रीय काव्यधारा	60	4
3	DSC-3	3207	उपन्यास साहित्य	60	4
4	DSE-A	3208	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	60	4
	DSE-B	3209	प्रयोजनमूलक हिन्दी	60	4
5	DSC-4	3210	शोधप्रकल्प	60	4
6	Tutorial		संत तुकड़ोजी महाराज	30	2

Programme : M.A. 2, Hindi Semester-IV

Sr. No.	Subject	Code Of the Course/ Subject	Title Of the Course/Subject	Total Numbers Of periods	Numbers Of Creadits	
1	DSC-1	3205	प्रगतिवादी काव्य	60	4	
2	DSC-2	3206	नाट्य साहित्य	60	4	
3	DSC-3	3207	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	60	4	
4	DSE-A	3208	किन्नर विमर्श	60	4	
	DSE-B	3209	किसान विमर्श	60	4	
5	DSC-4	3210	शोध परियोजना		6	
6	Tutorial		जनसंचार माध्यम और हिन्दी भाषा	30	2	

सूचना-

- DSC अनिवार्य रहेंग□

Programme: M.A.2, Hindi Semester-III

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Creadits
DSC-1 3205	**हिंदी भाषा और साहित्य संशोधन**	60	4

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -1 (DSC-I -3)

हिंदी भाषा और साहित्य संशोधन

तृतीय सत्र

COs :

1.हिंदी भाषा और साहित्य के समकालीन संशोधन का स्वरुप स्पष्ट होगा।

2. संशोधन के लिए सहायक सिद्ध हो ऐसा साहित्य तैयार करना।

3. अनुसन्धान के नए आयाम परिलक्षित होंगे, और छात्रों में संशोधनात्मक दृष्टि से पूर्व तैयारी करने में आसानी होगी।

4.हिंदी भाषा और साहित्य में पीएच. डी करने हेतु छात्र प्रेरित होंगे।

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	हिंदी भाषा और साहित्यिक संशोधन : समकालीन स्वरुप 1.भाषा और बोली का संशोधन : स्वरुप 2.विशिष्ट लेखक का अध्ययन 3.विशिष्ट साहित्य प्रकार का अध्ययन 4.विशिष्ट विचार प्रवाह/ साहित्यिक प्रवाह का अध्ययन	**15**
इकाई 2	हिंदी भाषा और साहित्यिक संशोधन : पूरक साहित्य 1. हिंदी साहित्य कोश 2. सामग्री संकलन / साक्षात्कार 3. ग्रन्थ सूची 4. पत्र-पत्रिका	**15**
इकाई 3	हिंदी भाषा और साहित्य का तुलनात्मक संशोधन 1. तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन : संकल्पना और स्वरुप 2. दो भाषाओँ का तुलनात्मक अध्ययन 3. दो साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन 4. देश- विदेश के साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन	**15**
इकाई 4	हिंदी भाषा और साहित्यिक संशोधन: समसामयिक तकनीकी की उपयोगिता 4.1 संशोधन के लिए इ-स्रोत की उपयोगिता 4.2 संशोधन के लिए विकिपीडिया की उपयोगिता 4.3 संशोधन के लिए शोधगंगा की उपयोगिता 4.4 शोध प्रबंध लेखन में यूनिकोड की उपयोगिता	**15**

संदर्भ ग्रंथ सूची -

1. शोध – प्रविधि – डॉ. विनय मोहन शर्मा

2. शोध – प्रविधि – कालिदास पुस्तक सदन, भोपाल
3. शोध – प्रविधि – डॉ. पंकज सिंह
4. सामजिक अनुसंधान – राम आहुजा, रावत पब्लिकेशन, जयपुर
5. शोध – प्रविधि – डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
6. शोध – पद्धतियाँ – डॉ. बी. एल फडिया, साहित्य भवन, पब्लिकेशन
7. व्यावहारिक विज्ञानों में अनुसंधान विधियां, एस कंगल शुभा मंगल
8. शोध – प्रबंध – पौराणिक दर्शनशास्त्र एक अध्ययन
9. शोध – प्रविधि – हरीशकुमार खत्री, कालिदास पुस्तक सदन, भोपाल
10. शोध – पद्धतियाँ – डॉ. बी.एल. फडिया, साहित्य भवन, पब्लिकेशन, जयपुर
11. व्यावसायिक संशोधन पद्धति – डॉ. अजिनाथ मारुती डोके, निराली पब्लिकेशन, नागपुर
12. राजनीति-विज्ञान में अनुसंधान प्रविधि – डॉ. एस.एल.शर्मा, जयपुर Free indi Book.com
13. शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र – सच्चीदानंद डैडियाल एवं अरविंद फाके, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
14. शोध- प्रभा – डॉ.राजेन्द्र प्रसाद जन्मशताब्द - स्मृत्यडंक, त्रैमासिक शोध पत्रिका
प्रदान संपादक प्राचार्य डॉ.मन्डनमिश्र प्रकाशन श्रीलाल बहादुरशास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठम नई दिल्ली -110016
15. Intellectual Property Rights in India, V.K. Ahuja, Volume 1& Volume 2.
16. हिंदी साहित्य ज्ञानकोश – खंड 6, संपा. शंभुनाथ और अन्य, भारतीय भाषा परिषद, कोलकत्ता, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.
17. हिंदी साहित्य ज्ञानकोश – खंड 7, संपा. शंभुनाथ और अन्य, भारतीय भाषा परिषद, कोलकत्ता, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.
18. कॉपीराइट, कमलेश जैन, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली, 2008
19. मराठी विश्वकोश, "बौद्धिक संपदा" (Intellectual Property) शासन दर्शाई – (30/12/2022)

Programme: M.A.2, Hindi Semester-III

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Creadits
DSC-2 3206	**राष्ट्रीय काव्य धारा**	60	4

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -2 (DSC-II -3)

राष्ट्रीय काव्य धारा

तृतीय सत्र

प्रस्तावना :

आधुनिक हिन्दी काव्य पुनर्नवा के रूप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिकता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हो गए। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचारसरणियाँ इसमें अभिव्यक्त हुई हैं। विविध धाराओं में प्रवाहमान आधुनिक हिन्दी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अजस्र स्रोत है। अंतःसंवेदना तथा ज्ञानक्षितिज के विस्तार के लिए यह विषय अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक है।

COs :

1. शोधपत्र लेखन शैली को विकसित करवाना।
2. राष्ट्रीय काव्य से परिचित होंगें।
3. साहित्यिक रचनाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।
4. प्रसिद्ध रचनाकारों की रचनाओं को समझ पायेंगे।

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	1. मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती (अतीत खण्ड) 2. जयशंकर प्रसाद- हिमाद्रि तुंगशृंग से -अरुण यह मधुमय देश हमारा -भारत महिमा -	**20**
इकाई 2	1.सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – राम की शक्ति पूजा -जागो फिर एक बार - 2. श्रीधर पाठक- जय जय प्यारा - जगत मुकुट जहाँ न संभव – -अजय अशोक -हिन्द वंदना -भारत भूमि -भारत गीत	**20**
इकाई 3	द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित ६ कवियों का अध्ययन किया जायेगा - 1. भारतेंदु हरिश्चंद्र 2. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 3. रामधारी सिंह 'दिनकर' 4. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	**20**

	5. सुभद्राकुमारी चौहान 6. धर्मवीर भारती	

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 40 अंक

.....

कुल अंक - 100

□ंतरिक मूल्यांकन -

1) प्रश्नपत्र स□सम्बंधित २० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछ□जायेंग□ प्रत्यक□प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20
2) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र क□पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसक□लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
3) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय स□सबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायग□ जिसक□लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -40

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घं□□ पूर्णांक :60

प्रश्न क्र 1: इकाई -1 क□प्रत्यक□कवि की कृति स□एक-एक व्याख्या कुल दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें स□एक व्याख्या करना अनिवार्य ह□ व्याख्या क□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10= 10

प्रश्न क्र 2: इकाई-2 क□प्रत्यक□कवि पर एक-एक व्याख्या इस प्रकार कुल दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी , जिनमें स□एक व्याख्या करना अनिवार्य होगा। व्याख्या क□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10 = 10

प्रश्न क्र 3: इकाई -1 क□कवियों पर अथवा कविताओं पर 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछ□जायेंग□ जिनमें स□1 प्रश्न हल करना होगा, जिसक□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10 = 10

प्रश्न क्र 4: इकाई -2 क□कवियों पर अथवा कविताओं पर 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछ□जायेंग□ जिनमें स□1 प्रश्न हल करना होगा, जिसक□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10 = 10

प्रश्न क्र 5: इकाई 3 क□प्रत्यक□कवि स□एक- एक प्रश्न पूछा जाएगा, इस प्रकार कुल छः प्रश्न पूछ□जायेंग□ जिनमें स□ कुल चार प्रश्न हल करन□होंग□ एक प्रश्न क□लिए 5 अंक निर्धारित ह□

4x5=20

Programme: M.A.2, Hindi Semester- III

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-3 3207	**उपन्यास साहित्य**	60	4

प्रस्तावना :-

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग-विराग, तर्क-वितर्क तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है वैसा अन्य साहित्यांग में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़ मन-मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध, गद्य का प्रौढ़-शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रवृत्ति, परिवेश, परिस्थिति, तथा चिंतन की विकास प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

Cos :

1. शोधपत्र लेखन शैली को विकसित करवाना।
2. आधुनिक गद्य साहित्य से परिचित होंगें।
3. नाट्य रचनाओं का ज्ञान होगा।
4. प्रसिद्ध रचनाकारों के उपन्यासों को समझ पायेंगे।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -3

उपन्यास साहित्य (DSC III-3)

तृतीय सत्र

Unit	**Syllabus**	**Total Periods**
इकाई 1	1. चौदह फेरे – शिवानी 2. त्यागपत्र – उपेन्द्रनाथ अश्क	**20**
इकाई 2	1. आपका बंटी – मन्नू भंडारी 2. अपने अपने अजनबी – अज्ञेय	**20**
इकाई 3	द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित 6 उपन्यासकारों का अध्ययन किया जायेगा, जिसमें – 1. भगवतीचरण वर्मा 2. उषा प्रियवंदा 3. पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' 4. यशपाल 5. फणीश्वरनाथ रेणु 6. कृष्णा सोबती	**20**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 40 अंक

....

कुल अंक - 100

□ंतरिक मूल्यांकन -

1) प्रश्नपत्र स□सम्बंधित २० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछ□जायेंग□ प्रत्यक□प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20
2) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र क□पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसक□लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
3) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय स□संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जाय□□ जिसक□लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -40

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घं□□ पूर्णांक :60

प्रश्न क्र 1: इकाई -1 क□प्रत्यक□लखक□की कृति स□एक-एक व्याख्या कुल दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें स□एक व्याख्या करना अनिवार्य ह,□व्याख्या क□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10= 10

प्रश्न क्र 2: इकाई-2 क□प्रत्यक□लखक□पर एक-एक व्याख्या इस प्रकार कुल दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें स□एक व्याख्या करना अनिवार्य ह□व्याख्या क□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10 = 10

प्रश्न क्र 3 : इकाई -1 क□उपन्यासकारों पर अथवा उपन्यासों पर दो दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछ□जायेंग□जिनमें स□एक प्रश्न हल करना होगा, जिसक□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10 = 10

प्रश्न क्र 4: इकाई -2 क□उपन्यासकारों पर अथवा उपन्यासों पर दो दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछ□जायेंग□जिनमें स□एक प्रश्न हल करना होगा, जिसक□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10 = 10

प्रश्न क्र 5: इकाई 3 क□प्रत्यक□लखक□स□एक एक प्रश्न पूछा जाएगा, इस प्रकार कुल छः प्रश्न पूछ□जायेंग,□जिनमें स□कुल चार प्रश्न हल करन□होंग□एक प्रश्न क□लिए 5 अंक निर्धारित ह□

4x5 = 20

Programme: M.A.2, Hindi Semester- III

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSE-A 3208	**भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**	60	4

प्रस्तावना : -

साहित्य आद्यंत एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान, भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है, अपितु भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक निरुपक भाषा भी प्रदान कराता है। मूल भाषा व्यवस्था पर आरोपित द्वितीयक साहित्यिक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति प्राचीन भारतीय एवं अधुनातक पाश्चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से लक्षणीय है। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येतर प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषा वैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्वपूर्ण है।

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप,विविधरूपता तथा हिन्दी कम्प्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी का वैशिष्ट्य विकास और मानकीकरण हिन्दी के लिए उपयोगी है।

Cos :

1. छात्रों में भाषा की संरचना को समझने क्षमता विकसित होगी।
2.भाषा विज्ञान का स्वरुप समझेंगे।
3. लिपियों के मानकीकरण को उपयोग समझ पायेंगे।
4. देवनागरी हिंदी लिपि का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2
प्रश्नपत्र -4
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (DSE-A)
तृतीय सत्र

Unit	**Syllabus** **(क)भाषा विज्ञान**	**Total Periods**
इकाई 1	❖ भाषा और भाषा विज्ञान :- ○ भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण ○ भाषाविज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति ❖ अध्ययन की दिशाएँ :- ○ वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक	**15**
इकाई 2	❖ ध्वनि विज्ञान:- ○ ध्वनि विज्ञान का स्वरुप और शाखाएँ ○ ध्वनि यंत्र और उसके कार्य ○ ध्वनि की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण,	**15**
इकाई 3	❖ अर्थ विज्ञान:- ○ अर्थ की अवधारणा ○ अर्थ परिवर्तन के कारण ○ अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ	**15**
इकाई 4	❖ वाक्य विज्ञान:-	**15**

	○ वाक्य की अवधारणा ○ वाक्य का भाग ○ वाक्य विश्लेषण	

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 40 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) प्रश्नपत्र से सम्बंधित २० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20
2) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
3) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -40

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60

प्रश्न क्र 1: प्रथम इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 2: द्वितीय इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 3: तृतीय इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 3: चतुर्थ इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 3: चारों इकाई से लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

5x4 = 20

Programme: M.A.2, indi Semester- III

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSE-B 3209	**प्रयोजनमूलक हिंदी**	60	4

प्रस्तावना-

हिंदी भाषा का व्यापक प्रचार-प्रसार की जानकारी सछात्र अवगत होंग। अहिन्दी भाषी छात्रों में हिंदी भाषा को लक्ष्य रूचि निर्माण होगी। हिंदी में रोजगार की संभावनाओं सछात्रों को अवगत होंग। छात्रों का भाषायी ज्ञान समृद्ध एवं सशक्त होगा । छात्रों में सामाजिक दायित्वों क प्रति जागरूकता निर्माण होगी। हिंदी में तकनीकी क्रिया-कलाप करन का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।

Cos:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी रोजगार/ परिचय
2. छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी क विभिन्न रूपों की जानकारी प्राप्त हुई।
3. विशिष्ट क्षत्रों की प्रयोजनमूलक हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली क ज्ञान सछात्र अवगत हुए।
4. हिंदी भाषा को विकसित करन क साथ उसक माध्यम सछात्र कार्यालयीन हिंदी का प्रयोग करना सीखें। छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी सीखकर अनुवाद कार्य करन में आसानी हुई।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -4

प्रयोजनमूलक हिंदी (DSE-B)

तृतीय सत्र

इकाई (Unit)	**पाठ्यक्रम(Syllabus)**	**(Total Period)**
इकाई 1	❖ प्रयोजनमूलक हिंदी: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	**15**
इकाई 2	❖ प्रयोजनमूलक हिंदी की विशषताएं	**15**
इकाई 3	❖ प्रयोजनमूलक हिंदी की व्याप्ति	**15**
इकाई 4	❖ पारिभाषिक शब्दावली	**15**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 40 अंक

.....

कुल अंक - 100

तरिक मूल्यांकन -

1) प्रश्नपत्र स सम्बंधित २० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछ जायेंग। प्रत्यक प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20
2) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र क पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसक लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
3) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय स संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायगी जिसक लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -40

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घं□□ पूर्णांक : 60

प्रश्न क्र 1: प्रथम इकाई स□विकल्प क□साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाय□□। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 2: द्वितीय इकाई स□विकल्प क□साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाय□□। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 3: तृतीय इकाई स□विकल्प क□साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाय□□। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 3: चतुर्थ इकाई स□विकल्प क□साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाय□□। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 3: चारों इकाई स□छः□लघूत्तरी प्रश्न पूछ□जायेंग□□जिनमें स□चार प्रश्नों क□उत्तर दन□होंग□

5x4 = 20

Programme: M.A.2, Hindi Semester- III

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-4 3210	**शोध प्रकल्प**	60	4

एम् .ए. हिंदी भाग 2
तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र-5
शोध प्रकल्प

अ.क्र.	**syllabus शोध प्रकल्प**
1.	ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त किसी एक कृति का संक्षिप्त मूल्यांकन
2.	किसी एक स्थानीय साहित्यकार का परिचय और उसकी किसी एक कृति का मूल्यांकन
3.	अध्यापक द्वारा दिया गया किसी एक पुस्तक का कम से कम 40 पृष्ठों का हिंदी में अनुवाद
	उपरोक्त में से किसी एक को आधार बनाकर विद्यार्थी एक परियोजना प्रस्तुत करेंगे। एक साहित्यकार का परिचय लेने के लिए एक से अधिक छात्र सम्मिलित हो सकते हैं, किन्तु प्रत्येक छात्र उनकी अलग अलग कृतियों का ही मूल्यांकन कर सकेंगे। विद्यार्थी अपनी परियोजना किसी ऐसे प्राध्यापक के मार्गदर्शन में संपन्न करेंगे, जिसे कम से कम पांच वर्षो का अध्यापन अनुभव हो। यह परियोजना कम से कम 40 पृष्ठों की होगी। 15 नवम्बर तक इस परियोजना की दो प्रतियाँ महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए कुल अंक 100 होंगे।

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 40 अंक
मौखिकी
.....
कुल अंक - 100

Programme: M.A.2, [illegible]indi Semester- III

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
Tutorial	**संत तुकड़ोजी महाराज**	30	02

एम् .ए. हिंदी भाग 2

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र-6

संत तुकड़ोजी महाराज

अ.क्र.	**syllabus**	**Total Periods**
इकाई I	❖ ग्रामोन्नति	8
इकाई 2	❖ नारीविषयक दृष्टिकोण	7
इकाई 3	❖ राष्ट्रप्र[illegible]	8
इकाई 4	❖ मानवतावाद	7

कुल अंक लिखित - 30

अंतर्गत मूल्यांकन -20

महाविद्यालयीन स्तर पर परीक्षा ली जाय[illegible]

Programme: M.A.2, indi Semester-IV

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-1 3205	**प्रगतिवादी काव्य**	60	4

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -2

प्रगतिवादी काव्य (DSC-I)

चतुर्थ सत्र

Cos :

1. शोधपत्र लेखन शैली को विकसित करवाना।
2. आधुनिक काव्य साहित्य से परिचित होंगे।
3. काव्य के सूक्ष्मतम पहलूओं का ज्ञान प्राप्त होगा।
4. प्रसिद्ध रचनाकारों की रचनाओं को समझ पायेंगे।

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	1. मुक्तिबोध :- -अंधेरे में -ब्रह्मराक्षस 2. नागार्जुन कविताएँ :- - प्रतिबद्ध हूँ - तनगई रीढ़ - अकाल और उसके बाद - खुरदुरे पैर - बहुत दिनों के बाद	**20**
इकाई 2	1. शमशेर बहादुर सिंह -कत्थई गुलाब - एक पीली शाम - काल तुझसे होड़ है मेरी -बात बोलेगी -वाम वाम वाम दिशा 2. केदारनाथ अग्रवाल -खुली आँख खुला डैना - जो शिलाएँ तोड़ते हैं - लौह का घन गल रहा है - हथौड़े का गीत - बसंती हवा	**20**
इकाई 3	द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित 6 कवियों का अध्ययन किया जायेगा, जिसमें- 1. रामविलास शर्मा 2. केदारनाथ सिंह 3. भारतभूषण अग्रवाल 4. गिरिजाकुमार माथुर 5. त्रिलोचन शास्त्री 6. दुष्यंत कुमार	**20**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 40 अंक
....
कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) प्रश्नपत्र से संबंधित २० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20
2) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
3) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी। जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -40

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे पूर्णांक :60

प्रश्न क्र 1: इकाई -1 के प्रत्येक कवि की कृति से एक-एक व्याख्या कुल दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें से एक व्याख्याएँ करना अनिवार्य है, व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित है।

1x10= 10

प्रश्न क्र 2: इकाई-2 के प्रत्येक कवि पर एक-एक व्याख्या इस प्रकार कुल दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी , जिनमें से एक व्याख्या करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित है।

1x10
= 10

प्रश्न क्र 3: इकाई -1 के कवियों पर अथवा कविताओं पर 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 1 प्रश्न हल करना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

1x10 = 10

प्रश्न क्र 4: इकाई -2 के कवियों पर अथवा कविताओं पर 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 1 प्रश्न हल करना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

1x10 = 10

प्रश्न क्र 5: इकाई 3 के प्रत्येक कवि से एक एक प्रश्न पूछा जाएगा, इस प्रकार कुल छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से कुल चार प्रश्न हल करने होंगे। एक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है।

4x5 = 20

Programme: M.A.2, Hindi Semester- IV

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-2 3206	**नाट्य साहित्य**	60	4

Cos:

1. नाटक लेखन शैली से परिचित होंगे
2. आधुनिक कथा, नाटक तथा उपन्यास साहित्य से परिचित होंगें।
3. आधुनिक गद्य साहित्य के परिवेश की जानकारी प्राप्त होंगी।
4. प्रसिद्ध रचनाकारों की रचनाओं को समझ पायेंगे

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र - 2

नाट्य साहित्य (DSC-2)

चतुर्थ सत्र

Unit	**Syllabus**	**Total Periods**
इकाई 1	1. ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद 2. आधे अधूरे – मोहन राकेश	**20**
इकाई 2	1. एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष 2. कबीरा खड़ा बाजार में – भीष्म साहनी	**20**
इकाई 3	द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित 6 नाटककारों का अध्ययन किया जायेगा, जिसमें – 1. उपेन्द्रनाथ अश्क 2. लक्ष्मीनारायण मिश्र 3. रामकुमार वर्मा 4. भारतेंदु हरिश्चंद्र 5. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना 6. उदयशंकर भट्ट	**20**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 40 अंक

....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) प्रश्नपत्र से सम्बंधित २० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20
2) विद्यार्थी को संबंधित प्रशनपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
3) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -40

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घं□□ पूर्णांक :60

प्रश्न क्र 1: इकाई -1 क□प्रत्यक□ना□क स□एक-एक व्याख्या कुल दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें स□एक व्याख्या करना अनिवार्य ह□ व्याख्या क□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10= 10

प्रश्न क्र 2: इकाई-2 क□प्रत्यक□ना□क पर एक-एक व्याख्या इस प्रकार कुल दो व्याख्या पूछी जायेंगी , जिनमें स□ एक व्याख्या करना अनिवार्य होगा। प्रत्यक□व्याख्या क□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10 = 10

प्रश्न क्र 3: इकाई -1 क□ना□क पर अथवा ना□ककारों पर दो दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछ□जायेंग□जिनमें स□एक प्रश्न हल करना होगा, जिसक□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10 = 10

प्रश्न क्र 4: इकाई -2 क□ना□क पर अथवा ना□ककारों पर दो दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछ□जायेंग□जिनमें स□एक प्रश्न हल करना होगा, जिसक□लिए 10 अंक निर्धारित ह□

1x10 = 10

प्रश्न क्र 5: इकाई 3 क□प्रत्यक□ना□ककारों स□एक एक प्रश्न पूछा जाएगा, इस प्रकार कुल छः प्रश्न पूछ□जायेंग□जिनमें स□ कुल चार प्रश्न हल करन□होंग□एक प्रश्न क□लिए 5 अंक निर्धारित ह□

4x5 = 20

Programme: M.A.2, Hindi Semester- IV

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-3 3207	**भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**	60	4

COs:

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा विशेषताओं से परिचित होंगे।
2. हिंदी भाषा के प्रभाव को समझ अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास होगा।
3. भाषा और ध्वनियों का परस्पर समन्वय समझ कर, उस प्रयोग कर पायेंगे।
4. हिंदी में कम्प्यूटर सुविधा तथा हिंदी भाषा-शिक्षण का परिपूर्ण ज्ञान प्राप्त होगा।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -3

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (DSC-3)

चतुर्थ सत्र

Unit	**Syllabus** **(क) हिंदी भाषा**	**Total Periods**
इकाई 1	❖ हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :- ○ प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ – ○ वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। ● मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ – ● संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। ● आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।	**15**
इकाई 2	❖ हिन्दी का भौगोलिक विस्तार :- ● हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ ● खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।	**15**
इकाई 3	❖ हिन्दी का भाषिक स्वरुप :- ○ हिन्दी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास, लिंग, वचन, कारक व्यवस्था, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण।	**15**
इकाई 4	❖ देवनागरी लिपि :- विशेषताएँ और मानकीकरण। ❖ हिन्दी के विविध रुप :- ❖ संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी	**15**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 40 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) प्रश्नपत्र से सम्बंधित २० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20
2) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
3) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -40

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60

प्रश्न क्र 1: प्रथम इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10
प्रश्न क्र 2: द्वितीय इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10
प्रश्न क्र 3: तृतीय इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10
प्रश्न क्र 4: चतुर्थ इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10
प्रश्न क्र 5: चारों इकाई से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से चार प्रश्न के उत्तर देने होंगे।

5x4 = 20

Programme: M.A.2, indi Semester- III

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSE-A 3208	**किन्नर विमर्श**	60	४

एम् .ए. हिंदी भाग 2

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र-5

किन्नर विमर्श

अ.क्र.	**syllabus**	**Total Periods**
1.	किन्नर विमर्श – परिभाषा ,स्वरुप और व्याप्ति	15
2.	यमदीप (उपन्यास)- नीरजा माधव	15
3.	मैं पायल (उपन्यास)- महेन्द्र भीष्म	15
4	गुलाम मंडी (उपन्यास)- - निर्मला भुराडिया	15

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 40 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) प्रश्नपत्र से सम्बंधित २० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20
2) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
3) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -40

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60

प्रश्न क्र 1: प्रथम इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 2: द्वितीय इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 3: तृतीय इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 4: चतुर्थ इकाई से विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा। 1x10 = 10

प्रश्न क्र 5: चारों इकाई से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न के उत्तर देने होंगे।

5x4 = 20

Programme: M.A.2, Hindi Semester- III

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSE-B 3209	**किसान विमर्श**	60	4

एम् .ए. हिंदी भाग 2

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र-4

किसान विमर्श

अ.क्र.	**syllabus**	**Total Periods**
1.	किसान विमर्श – परिभाषा ,स्वरुप और व्याप्ति	15
2.	प्र□चंद- कर्मभूमि	15
3.	विव□ राय – सोनामा□	15
4।	फणीश्वरनाथ र□- बलचनमा	15

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 40 अंक
....
कुल अंक - 100

□ंतरिक मूल्यांकन -

1) प्रश्नपत्र स□म्बंधित २० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछ□ायेंग□ प्रत्य□ प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20
2) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र क□ पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसक□ लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
3) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय स□ंबंधित मौखिकी परीक्षा ली जाय□ जिसक□ लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -40

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घं□ पूर्णांक : 60

प्रश्न क्र 1: प्रथम इकाई स□ विकल्प क□ साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाय□। 1x10 = 10
प्रश्न क्र 2: द्वितीय इकाई स□ विकल्प क□ साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाय□। 1x10 = 10
प्रश्न क्र 3: तृतीय इकाई स□ विकल्प क□ साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाय□। 1x10 = 10
प्रश्न क्र 4: चतुर्थ इकाई स□ विकल्प क□ साथ एक दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाय□। 1x10 = 10
प्रश्न क्र 5: चारों इकाई स□ □ःलघूत्तरी प्रश्न पूछ□ायेंग□ जिनमें स□ □ार प्रश्न क□ उत्तर द□ □ोंग□

5x4 = 20

।

Programme: M.A.2, Hindi Semester- IV

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-4 3210	**शोध परियोजना**		6

COs:

1. आधुनिक साहित्य में प्रचलित विविध विमर्श से छात्र परिचित होंगे।
2. परियोजना से छात्रों में अनुसंधान पद्धति का विकास तथा विस्तार होगा।
3. परियोजना निहाय विषय को अभिव्यक्त करने में विचार स्पष्ट होंगे।
4. हिंदी भाषा में विचारों को अभिव्यक्त करने की शैली विकसित होगी।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र - 5

परियोजना (DSC-4)

चतुर्थ सत्र

अ.क्र.	**Syllabus** **शोध परियोजना**	**Total Periods**
1	○ आधुनिक हिंदी साहित्य : आधुनिक हिंदी साहित्य के किसी एक साहित्यकार को आधार बनाकर विद्यार्थी एक परियोजना प्रस्तुत करेंगे। विद्यार्थी अपनी परियोजना किसी ऐसे प्राध्यापक के मार्गदर्शन में संपन्न करेंगे जिसे कम से कम पांच वर्षों का अध्यापन अनुभव हो। यह परियोजना लगभग 40 पृष्ठों की होगी। 15 अप्रैल तक इस परियोजना की दो प्रतियाँ महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए कुल अंक 100 होंगे।	**60**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 60 अंक

आंतरिक मूल्यांकन

(मौखिकी परीक्षा) - 40 अंक

....

कुल अंक - 100

Programme: M.A.2, indi Semester- III

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
Tutorial	**जनसंचार माध्यम और हिंदी भाषा**	30	02

एम् .ए. हिंदी भाग 2

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र-6

जनसंचार माध्यम और हिंदी भाषा

अ.क्र.	**syllabus**	**Total Periods**
इकाई 1	❖ जनसंचार माध्यम की अवधारणा और स्वरूप	**8**
इकाई 2	❖ जनसंचार माध्यम का महत्त्व और विशेषताएँ	**7**
इकाई 3	❖ जनसंचार के पारम्परिक माध्यम	**8**
इकाई 4	❖ जनसंचार के आधुनिक माध्यम	**7**

कुल अंक लिखित - 30

अंतर्गत मूल्यांकन -20

महाविद्यालयीन स्तर पर परीक्षा ली जायगी।

सहायक ग्रंथ सूची :-

1. कबीर और जायसी -पुरुषोत्तम बाजपेयी
2. नयी कविता एक मूल्यांकन शंनूदत्त पाण्डेय
3. 3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य विधाएँ- बापूराव देसाई
4. प्रेमचंद और उनकी उपन्यास कला - रघुवर दयान
5. मुक्तिबोध कविता और जीवन चंद्रकांत देवताले
6. अज्ञेय -निर्मला शर्मा
7. तुलसी के अध्ययन की नई दिशाएँ - रामप्रसाद मिश्र
8. दुष्यंतकुमार और नई कविता -विनय सिंह
9. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' भावबोध के आयाम - विजयलक्ष्मी सालोदिया
10. धर्मवीर भारती की साहित्य साधना - पुष्पा भारती
11. भाषा विज्ञान एवं समान भाषा विज्ञान -गिरीष परदेशी
12. भाषा और भाषा विज्ञान - तेजपाल चौधरी
13. मुक्तिबोध की काव्यभाषा - सनतकुमार
14. महादेवी का काव्य - वैभव रमेशचंद्र गुप्त
15. पंत के काव्य में कल्पना और कर्तुत्व-बिजरानी भार्गव
16. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी: व्यक्तित्व एवं साहित्य-गणपतिचंद्र गुप्त
17. समकालीन हिंदी कवित्व :अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में- भवदेव पाण्डेय
18. भीष्म साहनी :उपन्यास साहित्य -राजेश्वर सक्सेना
19. राहुल सांकृत्यायन: सृजन और संघर्ष -जगतसिंह
20. निराला काव्य में विविध आयाम -डॉ. इन्द्रराज सिंह
21. साहित्य में गद्य की विविध विधाएँ -डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
22. हिंदी निबंध के आधारस्तंभ -प्रो. हरिमोहन
23. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार -प्रो. हरिमोहन
24. आचार्य रामचंद्र शुक्ल संरचना - नागेश्री प्रताप
25. मैला आँचल :शिल्प और दृष्टि- बद्रिप्रसाद सिंह
26. अंधायुग एक विश्लेषण- डॉ. विजयपाल सिंह
27. छायावादोत्तर हिंदी कविता: एक अंतरयात्रा- मधुबाला सान्याल
28. हिंदी काव्य-चिंतन के मूलाधार :योगेन्द्र प्रताप सिंह
29. उत्तर आधुनिक अवधारणा - श्रीप्रकाश मिश्र
30. दलित-विमर्श और हिंदी साहित्य -दीपक कुमार पाण्डेय
31. साहित्यिक आन्दोलनों और साहित्य विवादों का इतिहास -अपराजिता श्रीवास्तव
32. नारी चेतना के आयाम -अलका प्रकाश
33. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - इंद्रनाथ मदान
34. आधुनिकता और हिंदी साहित्य -इंद्रनाथ मदान
35. हिंदी पाठानुसंधान - कन्हैया सिंह
36. पाश्चात्य काव्य चिंतन -करुणाशंकर उपाध्याय
37. कामायनी एक पुनर्विधार - गजानन माधव मुक्तिबोध
38. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - गणपतिचंद्र गुप्त
39. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 1 (1184 से 1857 ई. तक) - गणपतिचंद्र गुप्त
40. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 2 (1850 से अब तक) - गणपतिचंद्र गुप्त
41. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी
42. निराला: आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
43. नागार्जुन और उनकी कविता - नंदकिशोर नवल
44. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल

45. हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी - नंददुलार□ाजप□ी
46. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
47. हिन्दी साहित्य का इतिहास पुनर्लेखन की आवश्यकता - पुखराज मारू
48. 21 वीं शती का हिंदी उपन्यास - पुष्पपाल सिंह
49. स्त्री अध्ययन की बुनियाद - क□पी. प्रमीला
50. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - बच्चन सिंह
51. इक्कीसवी सदी का हिंदी साहित्य - सं. रवीन्द्रनाथ मिश्र
52. हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा -रामदरश मिश्र
53. पंत, प्रसाद और म□थिलीशरण - रामधारी सिंह 'दिनकर'
54. द□नागरी लिपि और हिंदी संघर्षो की ऐतिहासिक यात्रा -रामनिरंजन परिमल□ु
55. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - रामस्वरूप चतुर्वेदी
56. स्त्री-ल□खन स्वरूप और संकल्प - रोहिणी अग्रवाल
57. हिंदी बाल साहित्य की रूपर□खा - श्रीप्रसाद
58. हिंदी साहित्य का उत्तरवर्ती काल - सत्यद□ मिश्र
59. हिंदी व□ साहित्य - सुनील कुमार लव□□
60. हिंदी ना□क क□ पाँच दशक - कुसुम ख□मानी
61. ना□ककार जयशंकर प्रसाद - सत्य□ कुमार तन□ा
62. स्त्री विमर्श विविध पहलू - कल्पना वर्मा
63. आदिवासी साहित्य यात्रा - सं. रमणिका गुप्ता
64. दलित-विमर्श और हिंदी साहित्य - दीपक कुमार पाण्ड□
65. भारतीय दलित आन्दोलन का इतिहास (चार खंड) - मोहनदास न□मिशराय
66. मानक हिंदी का स्वरूप - कलानाथ शास्त्री
67. आधुनिक भाषाविज्ञान क□ सिद्धान्त - रामकिशोर शर्मा
68. भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और लिपि - रामकिशोर शर्मा
69. हिंदी अनुसंधान - विजयपाल सिंह
70. स्त्री विमर्श विविध पहलू - कल्पना वर्मा
71. दलित-विमर्श और हिंदी साहित्य - दीपक कुमार पाण्ड□
72. भारतीय उपन्यास कथासार 1- सं. प्रभाकर माचव□
73. भारतीय उपन्यास कथासार 2 - सं. प्रभाकर माचव□
74. नयी सदी की पहचान :श्र□ महिला कथाकार - सं. ममता कालिया
75. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - रामस्वरूप चतुर्वेदी
76. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
77. उपन्यास की रचना - प्रक्रिया परमानंद श्रीवास्तव
78. कहानी की रचना प्रक्रिया - परमानंद श्रीवास्तव
79. उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श - सुधीश पचौरी
80. भारतीय नारी सन्त परम्परा - बलद□ वंशी
81. स्त्री-विमर्श का लोकपक्ष - अनामिका
82. स्त्री-विमर्श भारतीय परिप्र□य - डॉ. क□ एम. मालती
83. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी - सं. रमणिका गुप्ता
84. आदिवासी स्वर : सामाजिक आर्थिक जीवन - सं. कुमार चौहान, श्रीमती र□ू चौहान
85. आदिवासी स्वर वाचिक परम्परा व साहित्य - सं.बी.एस. च□र्जी, जयशंकर उपाध्याय
86. भारतीय दलित साहित्यः परिप्र□पुत्री सिंह, कमला प्रसाद, राज□ शर्मा
87. दलित साहित्य व□ना और विद्रोह - शरणकुमार लिंबाल□
88. दलित साहित्य बुनियादी सरोकार - कृष्णदत्त पालीवाल
89. दलित साहित्य क□ प्रतिमान - डॉ. एन. सिंह
90. संत कबीर और संत तुकडोजी क□ हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. संगीता जगताप

91. सतसई काव्य परम्परा और बाल सतसई - डॉ. संगीता जगताप
92. बाल सतसई प्रबोधिनी स्वामी विजयानन्द - डॉ. राम बहोरी त्रिपाठी
93. धर्मवीर भारती की कविता - डॉ. दिना शुक्ला
94. दूसरा सप्तक के कवियों की काव्य भाषा - डॉ. तीर्थराज राय
95. राष्ट्रीय चेतना के संदर्भ में भारत के राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त एवं मॉरिशस के राष्ट्रकवि डॉ. बजरंग भगत मधुकर के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. ज्योति एन. मंत्री
96. शब्दकोश - डॉ. अजितसिंह पौहार, डॉ. गणेश पेंडीखर, वंदना मारोतराव गुरनुले, डॉ. महेन्द्रसिंह पवार
97. डॉ. परशुराम शुक्ल का बाल साहित्य - डॉ. आनंद बक्षी
98. नरसिंह महेता का मिथकीय खंडकाव्य - वर्षा शाह
99. धर्मवीर भारती का रचना संसार - डॉ. सुरेशकुमार के शिवानी
100. शरद जोशी के साहित्य में व्यंग्य डॉ. संतोष विजय यादव
101. मन्नू भंडारी पुष्पा के उपन्यासों में स्त्री जीवन संघर्ष - डॉ. शिवशङ्कर गोविंद गुडप्पा
102. देश विभाजन के परिप्रेक्ष्य में आधा गाँव - शिवशङ्कर गोविंद गुडमा
103. श्रीकांत वर्मा के काव्य में सामाजिक चेतना - प्रा. डॉ. सुरेखा मंत्री
104. सुमित्रानन्दन पंत के काव्य में प्रकृति प्रेम और दर्शन - डॉ. सुरेखा प्रेमचंद मंत्री
105. डॉ. शंकर शेष और रत्नाकर मतकरी के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. रवीन्द्र कुमार शिरसाठ
106. मोहन राकेश के नाटकों में नारी भावना - डॉ. रमा शुक्ला
107. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी भावना - डॉ. अनिल पाखरे
108. दलित साहित्य सामाजिक सरोकार - डॉ वाय. सी. मेंढे
109. हरिकृष्ण देवसरे एवं परशुराम शुक्ल का बाल साहित्य- डॉ. आशिष पांडे
110. डॉ. परशुराम शुक्ल कृत बाल सतसई का अनुशीलन - डॉ. रेखा धुरा
111. चौदह फेरे – शिवानी –राजकमल प्रकाशन